संख्या: 463 / XXVII(1)/ 2011

प्रेषक,

आर.सी.अग्रवाल,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद,
(संलग्न विवरणानुसार)
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग–1 देहरादूनः: दिनांकः 08 अगस्त,2011

विषयः– 13वॉ वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार वित्तीय वर्ष 2011–12 की प्रथम किश्त हेतु धनराशि का संकमण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 13वॉ वित्त आयोग, भारत सरकार की संस्तुतियों के कम में समस्त नगर पालिका परिषदों को चालू वित्तीय वर्ष 2011–12 में प्रथम किश्त हेतु **₹ 60370000.00 (रू0 छः करोड़ तीन लाख सत्तर हजार मात्र) की** धनराशि निम्न शर्तो के अधीन संकमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

उपर्युक्त धनराशि निम्न शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन संकमित की जा रही हैः–

1. संकमित धनराशि का व्यय पेयजल, मल–जल व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबन्धन और स्ट्रीट लाइट पर किया जायेगा।
2. स्थानीय निकाय के लेखा परीक्षा तथा लेखा विवरण अद्यतन होनी चाहिये।
3. स्कमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा। संकमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा, जिसके लिये संकमित की गई है। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/ समायोजन अनुमन्य नहीं होगा। इस धनराशि को वेतन/ पेंशन आदि पर व्यय नहीं किया जायेगा।
4. **अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण–पत्र अधिशासी अधिकारी तथा अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद के हस्ताक्षर से दिनांकः 31 जनवरी, 2011 तक प्राप्त हो जाने चाहिये।**
5. नगर विकास विभाग संकमित की जा रही धनराशि की नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेगें तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होगें। कोषागार से आहरित धनराशि, वाउचर संख्या, दिनांक एवं व्यय की गई धनराशि का विवरण महालेखाकार, उत्तराखण्ड, प्रमुख सचिव/सचिव, नगर विकास तथा वित्त आयोग निदेशालय को प्रेषित करना होगा।
6. शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तो का अनुपालन विभागीय अधिकारी/ वित्त नियंत्रक/मुख्य/ वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेगें।
7. अवमुक्त की जा रही धनराशि के उपयोगिता प्रमाण–पत्र भारत सरकार को प्रेषित किये जाते हैं। उपयोगिता प्रमाण–पत्र के विलम्ब से प्राप्त होने के कारण यदि कोई धनराशि लैप्स होती है तो उसके लिये अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगें।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011–12 के आय–व्ययक की अनुदान संख्याः 07 के लेखाशीर्षकः 3604–स्थानीय निकायों तथा पंचायतीराज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन–आयोजनेत्तर–01–नगरीय स्थानीय निकाय–192–नगर पालिका परिषद/ नगर निकाय–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें–0103–13वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान–20–सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(आर.सी.अग्रवाल)
अपर सचिव, वित्त।

संख्याः 463 /XXVII(1)/ 2011, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रमुख सचिव/सचिव, शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. आयुक्त,गढ़वाल मण्डल/कुमॉऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेरॉय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
5. निदेशक, शहरी एवं नगरीय विकास, 43/6 माता मन्दिर मार्ग, धर्मपुर,देहरादून।
6. निदेशक, लेखा एवं हकदारी, 23 लक्ष्मी रोड़,उत्तराखण्ड–देहरादून।
7. समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, वित्त आयोग प्रभाग,ब्लॉक–11, पंचमतल, सी.जी.ओ. काम्पलैक्स, लोधी रोड़, नई दिल्ली।
9. निजी सचिव, मा0 मुंख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
10. वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
11. एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड–देहरादून।

आज्ञा से,

(आर.सी. अग्रवाल)
अपर सचिव, वित्त।

,शासनादेश संख्याः 463 /XXVII (1)/2011
दिनांकः 08 :अगस्त,2011 का संलग्नक।

13वॉ वित्त आयोग द्वारा संस्तुत शहरी स्थानीय निकायों को वर्ष 2011–12 हेतु देय प्रथम किश्त की धनराशि।

(धनराशि हजार ₹ में)

क0सं0	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	वर्ष 2011–12 हेतु देय प्रथम किश्त
1	2	3
नगर पालिका परिषद		
1	उत्तरकाशी	2359
2	जोशीमठ	1787
3	चमोली / गोपेश्वर	2317
4	नई टिहरी	2678
5	नरेन्द्र नगर	552
6	मसूरी	6907
7	विकासनगर	660
8	ऋषिकेश	3094
9	कोटद्वार	2042
10	श्रीनगर	1152
11	पौड़ी	2778
12	टनकपुर	888
13	रामनगर	1454
14	नैनीताल	3821
15	जसपुर	1579
16	काशीपुर	3477
17	बाजपुर	838

(5)

13वाँ वित्त आयोग द्वारा संस्तुत शहरी स्थानीय निकायों को वर्ष 2011–12 हेतु देय प्रथम किश्त की धनराशि।

(धनराशि हजार ₹ में)

क0सं0	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	वर्ष 2011–12 हेतु देय प्रथम किश्त
18	गदरपुर	794
19	रूद्रपुर	5461
20	किच्छा	1304
21	सितारगंज	1024
22	खटीमा	1052
23	रूड़की	3541
24	मंगलौर	1068
25	पिथौरागढ़	3211
26	अल्मोड़ा	1765
27	बागेश्वर	855
28	रूद्रप्रयाग	1471
29	दुग्गड्डा	186
30	भवाली	255
योग		**60370.00**

(₹ छः करोड़ तीन लाख सत्तर हजार मात्र)

(आर.सी.अग्रवाल)
अपर सचिव, वित्त।